



प्रिलिम्स फैक्ट्स: 17 अक्टूबर, 2020

drishtiias.com/hindi/printpdf/prelims-facts-17-october-2020

राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड

National Security Guard

15 अक्टूबर, 2020 को राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (National Security Guard) का 36वाँ स्थापना दिवस मनाया गया।



प्रमुख बिंदु:

- राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (NSG) का गठन:
 - इसकी परिकल्पना वर्ष 1984 में ऑपरेशन ब्लू स्टार के दौरान भारतीय सेना को पहुँची क्षति के बाद की गई थी।
 - देश में 'आतंकी गतिविधियों का मुकाबला करने और आंतरिक गड़बड़ी के खिलाफ राज्यों की रक्षा करने' के लिये NSG का गठन वर्ष 1984 में एक संघीय आकस्मिक बल (Federal Contingency Force) के रूप में किया गया था।
 - यह भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अंतर्गत कार्य करता है। सामान्यतः इनको ब्लैक कैट (Black Cats) के नाम से जाना जाता है।

- **NSG द्वारा संपन्न दायित्व:**
 - यह विशिष्ट परिस्थितियों से निपटने के लिये विशेष रूप से प्रशिक्षित और सुसज्जित होती है तथा इसका उपयोग केवल असाधारण परिस्थितियों में आतंकवाद के गंभीर कृत्यों को विफल करने के लिये किया जाता है।
 - NSG ने ऑपरेशन ब्लू स्टार और अक्षरधाम पर आतंकी हमले जैसे असाधारणीय स्थितियों में सफलतापूर्वक कार्य किया है।
- **NSG का आदर्श वाक्य (MOTO):**
NSG का आदर्श वाक्य (MOTO) 'सर्वत्र सर्वोत्तम सुरक्षा' (Omnipresent Omnipotent Security) है।
- **भूमिका:**
 - आंतरिक सुरक्षा को स्थिर रखने में NSG की भूमिका महत्वपूर्ण है।
 - असाधारण स्थितियों में विशेष आतंकवाद निरोधक बल के रूप में तैनाती।
 - आतंकवाद के विरुद्ध भारत की ज़ीरो टॉलरेंस (Zero Tolerance) की नीति में NSG की महत्वपूर्ण भूमिका है।
- **NSG में कर्मियों एवं अधिकारियों के समूह:**
NSG में कर्मियों और अधिकारियों के दो समूह हैं:
 - स्पेशल एक्शन ग्रुप (Special Action Group-SAG)
 - स्पेशल रेंजर ग्रुप (Special Ranger Group-SRG)
- SAG का कार्य आतंकवाद विरोधी गतिविधियों को अंजाम देना है, वहीं SRG का प्रयोग VIP सुरक्षा के लिये किया जाता है।

गौरतलब है कि जनवरी, 2020 में NSG को वीआईपी सुरक्षा के कार्य से हटा दिया गया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि एक प्रमुख आतंकवाद विरोधी एवं अपहरण विरोधी बल के रूप में वह अपनी मूल भूमिकाओं पर ध्यान केंद्रित कर सके।

क्वानॉन

QAnon

15 अक्टूबर, 2020 को यू ट्यूब (YouTube) ने घोषणा की कि वह डोनाल्ड ट्रंप समर्थक षड्यंत्रकारी सिद्धांत (Conspiracy Theory) या आंदोलन 'क्वानॉन' (QAnon) को बढ़ावा देने वाली सामग्री को अवरुद्ध करने के लिये अतिरिक्त उपाय करेगा।

उल्लेखनीय है कि 'क्वानॉन' (QAnon) हाल के दिनों में सुर्खियों में रहा है।



प्रमुख बिंदु:

- जुलाई 2020 में ट्विटर और टिकटॉक ने 'क्वानॉन' से संबंधित कुछ हैशटैग को अवरुद्ध किया था और इनसे संबंधित कुछ खातों को हटा दिया।
- अगस्त 2020 में फेसबुक ने 'क्वानॉन' (QAnon) समूहों पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की थी।
- वर्ष 2019 में FBI ने कहा था कि 'क्वानॉन' सहित राजनीतिक षड्यंत्रकारी सिद्धांत संयुक्त राज्य अमेरिका के लिये आतंरिक खतरे हैं जो कुछ घरेलू चरमपंथियों को पूरी तरह से या आंशिक रूप से आपराधिक या हिंसक गतिविधियों में लिप्त होने के लिये प्रेरित करते हैं।

'क्वानॉन' (QAnon):

इस षड्यंत्रकारी सिद्धांत या आंदोलन की शुरुआत वर्ष 2017 के आसपास हुई थी जब 'Q' या 'Q क्लियरेंस पैट्रियट' (Q Clearance Patriot) नामक एक अनाम उपयोगकर्ता ने षड्यंत्रकारी सिद्धांतों को सोशल मीडिया पर पोस्ट करना शुरू कर दिया।

- 'Q' मुख्य गुप्त सूचना (Top-secret Information) तक पहुँच के लिये अमेरिकी ऊर्जा विभाग द्वारा दी गई सुरक्षा मंजूरी को संदर्भित करता है।
- 'Q' जो ट्रंप प्रशासन की संवेदनशील जानकारी तक पहुँच के साथ एक उच्च पदस्थ खुफिया अधिकारी होने का दावा करता है, ने वर्ष 2017 में '4chan' प्लेटफॉर्म पर सामग्री पोस्ट करना शुरू किया था किंतु अब '8kun प्लेटफॉर्म' पर सामग्री पोस्ट करता है।

'8kun प्लेटफॉर्म' 8chan के संस्थापकों द्वारा संचालित एक वेबसाइट है जो वर्ष 2019 में टेक्सास के एल पासो (El Paso) में बड़े पैमाने पर फायरिंग के बाद बंद हो गई थी क्योंकि हत्यारों ने 8chan प्लेटफॉर्म पर बड़े पैमाने पर घृणा फैलाने वाली सामग्री पोस्ट की थी।

षड्यंत्रकारी सिद्धांत (Conspiracy Theory) क्या है?

- 'क्वानॉन' (QAnon) के अनुयायियों का मानना है कि दुनिया को पीडोफाइल (Paedophiles) के एक गुप्त दल द्वारा चलाया जा रहा है जो शैतान/पिशाच की पूजा करते हैं और अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में ट्रंप का भी एक उद्देश्य है कि वे इस गुप्त दल को हटा दें और उन्हें दंडित करें।
पीडोफाइल (Paedophiles) वह व्यक्ति होता है जो बच्चों के प्रति कामुकता का भाव रखता है।
- यह सिद्धांत 3 नवंबर, 2020 को अमेरिकी राष्ट्रपति पद के लिये होने वाले चुनाव से पहले मतदाताओं के बीच काफी चर्चाका विषय बना हुआ है।

- षड्यंत्रकारी सिद्धांतकारों का मानना है कि हिलेरी क्लिंटन, बराक ओबामा और हॉलीवुड अभिनेता टॉम हैंक्स एवं ओपरा विन्फ्रे जैसे डेमोक्रेट्स एक वैश्विक बाल सेक्स-ट्रैफिकिंग (Global Child Sex-Trafficking) का हिस्सा हैं।

आकाशगंगा में तारों के निर्माण संबंधी गतिविधियों में गिरावट

Declining Star formation Activity in The Milky Way

पुणे स्थित 'नेशनल सेंटर फॉर रेडियो एस्ट्रोफिजिक्स (NCRA-TIFR) और बंगलूरू के 'रमन रिसर्च इंस्टीट्यूट' (RRI) के खगोलविदों की एक टीम ने ब्रह्मांड की उत्पत्ति के कुछ समय बाद आठ अरब वर्ष पहले देखी गई आकाशगंगाओं की परमाणु हाइड्रोजन सामग्री को मापने के लिये उन्नत विशालकाय मेट्रेवेव रेडियो टेलीस्कोप (Giant Metrewave Radio Telescope- GMRT) का उपयोग किया है।

प्रमुख बिंदु:

- इससे आकाशगंगा में तारों की निर्माण गतिविधियों में आई गिरावट के पीछे के रहस्य को समझने में मदद मिल सकती है।
- ब्रह्मांड में आकाशगंगाएँ अधिकतर गैस और तारों से बनी होती हैं तथा आकाशगंगा के जीवनकाल के दौरान गैस, तारों में परिवर्तित हो जाती है।
- इस टेलीस्कोप द्वारा यह पता लगाया जाएगा कि समय के साथ गैस और तारे दोनों की मात्रा कैसे बदलती है?
 - खगोलविदों का मानना है कि दीर्घकाल से आकाशगंगाओं ने एक उच्च दर पर तारों का गठन किया है जब ब्रह्मांड आज की तुलना में युवा था।
 - आकाशगंगाओं में तारा निर्माण की गतिविधि लगभग 8-10 अरब साल पहले हुई थी किंतु यह अब लगातार घटती जा रही है।
 - इस गिरावट का कारण अभी तक अज्ञात है क्योंकि शुरुआती समय के आकाशगंगाओं में परमाणु हाइड्रोजन गैस (तारों के निर्माण के लिये प्राथमिक ईंधन) की मात्रा के बारे में कोई जानकारी नहीं है।
- उन तारों के विपरीत जो प्रकाशीय तरंगदैर्घ्य में दृढ़ता से प्रकाश उत्सर्जित करते हैं, परमाणु हाइड्रोजन गैस से संबंधित संकेतों की रेडियो तरंगदैर्घ्य 21 सेमी. होती है और इन्हें केवल रेडियो दूरबीनों से पता लगाया जा सकता है।
 - ये 21 सेमी. की तरंगदैर्घ्य वाले संकेत बहुत कमजोर होते हैं, इसलिये इनका पता लगाना मुश्किल होता है।

'स्टैकिंग' (Stacking) तकनीक:

- 21 सेमी. की तरंगदैर्घ्य वाले संकेतों का पता लगाने के लिये टीम ने लगभग 8,000 आकाशगंगाओं के 21 सेमी. की तरंगदैर्घ्य वाले संकेतों को संयोजित करने के लिये 'स्टैकिंग' (Stacking) नामक एक तकनीक का उपयोग किया था जिन्हें पहले ऑप्टिकल टेलीस्कोप की मदद से पहचाना गया था।
- यह तकनीक इन आकाशगंगाओं की औसत गैस सामग्री को मापती है।

सारस के प्रवास मार्ग की ट्रैकिंग

Tracking of Crane's Migratory Route

पहली बार देहरादून स्थित **भारतीय वन्यजीव संस्थान** (Wildlife Institute of India) ने सामान्य सारस (Crane) के गुजरात से उत्तरी कज़ाख़स्तान में अपने प्रजनन स्थल और पुनः गुजरात वापस आने के मार्ग को ट्रैक किया है।

गौरतलब है कि यह सारस (Crane) 10 अक्टूबर, 2020 को विश्व प्रवासी पक्षी दिवस (World Migratory Bird Day) के अवसर पर वापस गुजरात लौट आया।



प्रमुख बिंदु:

- वाडला (Vadla) नाम की इस मादा सारस (एक प्रवासी पक्षी) को मार्च 2020 में एक ट्रांसमीटर के साथ टैग किया गया था ताकि वैज्ञानिक ऐसे प्रवासी पक्षियों पर विद्युत लाइनों के प्रभावों का पता लगा सकें। इस परियोजना का उद्देश्य सारस (Crane) और फ्लेमिंगो (flamingos) जैसे बड़े पक्षियों पर विद्युत लाइनों के प्रभाव का अध्ययन करना और ऐसे महत्वपूर्ण विद्युत लाइनों की पहचान करना जो संभावित रूप से इन पक्षियों को प्रभावित कर सकती हैं। इस परियोजना का प्राथमिक उद्देश्य यह देखना है कि ये सारस विद्युत लाइनों को पार कैसे करते हैं क्योंकि विद्युत लाइनों में सारस एवं फ्लेमिंगो के टकराने से उनकी मृत्यु हो जाती है।
- इस परियोजना का वित्तपोषण 'पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड' (Power Grid Corporation of India Limited) द्वारा किया गया है।

विद्युत लाइनें: पक्षियों के लिये एक खतरा:

ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (Great Indian Bustard) पर किये गए अध्ययन से संबंधित एक रिपोर्ट केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) ने वर्ष 2019 में जारी की थी जिसमें कहा गया था कि ऊर्ध्वधर संरक्षण के साथ 'हाई वोल्टेज ट्रांसमिशन लाइनें' ग्रेट इंडियन बस्टर्ड के लिये सबसे बड़ा खतरा हैं।

सारस:

- सामान्य सारस एक मध्यम आकार का सारस होता है जो भारतीय उपमहाद्वीप, एशिया, अफ्रीका, यूरोप में पाया जाता है।
- ये सारस प्राकृतिक रूप से प्रवासी पक्षी हैं जो आमतौर पर मई महीने के दौरान प्रजनन करते हैं।

विश्व प्रवासी पक्षी दिवस (World Migratory Bird Day):

वर्ष 2020 में 9 मई के अतिरिक्त 10 अक्टूबर को विश्व प्रवासी पक्षी दिवस मनाया गया ।

थीम:

इस वर्ष के विश्व प्रवासी पक्षी दिवस की थीम 'बर्ड्स कनेक्ट अवर वर्ल्ड' (Birds Connect Our World) थी।

उद्देश्य:

- इसका उद्देश्य प्रवासी पक्षियों के खतरों (पारिस्थितिक महत्त्व एवं संरक्षण) के बारे में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग से वैश्विक जागरूकता उत्पन्न करना है।
- पहली बार 'विश्व प्रवासी पक्षी दिवस' को वर्ष 2006 में मनाया गया था। यह दिवस वर्ष में दो बार (मई एवं अक्टूबर महीने के दूसरे शनिवार को) मनाया जाता है।